8. साक्षात्कार (Interview)–साक्षात्कार मापन की एक ऐसी विधि है जिसमें मापनकर्ता शिक्षक और छात्र, जिसकी किसी विशेषता (गुण) का मापन होना होता है, दोनों आमने-सामने बैठते हैं, मापनकर्ता शिक्षक छात्र से प्रश्न पूछता है और छात्र उसके प्रश्नों के उत्तर देता है। यह साक्षात्कार दो प्रकार का होता है–एक **मानकीकृत साक्षात्कार** (Standardized Interview) और दूसरा **अमानकीकृत साक्षात्कार** (Unstandardized Interview)। मानकीकृत साक्षात्कार में मानकीकृत प्रश्नावली का प्रयोग किया जाता है जिसमें प्रश्न एकदम क्रमबद्ध होते हैं, साक्षात्कारकर्ता को साक्षात्कारी से वे ही प्रश्न और उसी क्रम में पूछने होते हैं। इसके विपरीत अमानकीकृत साक्षात्कार में सामान्य प्रश्नावली का प्रयोग किया जाता है और साक्षात्कारकर्ता को साक्षात्कारी के उत्तरों के आधार पर अपनी तरफ से भी प्रश्न करने की छूट होती है। इन दो प्रकार के साक्षात्कारों को क्रमशः **संरचित साक्षात्कार** (Structural Interview) और **असंचरित साक्षात्कार** (Unstructured Interview) भी कहते हैं।

साक्षात्कार किसी भी प्रकार का क्यों न हो उसे करने के लिए सर्वप्रथम मापनकर्ता शिक्षक साक्षात्कारी शिक्षार्थी को अपने सामने आराम से बैठाता है, उसके बाद उससे सामान्य बातचीत द्वारा

Scanned with CamScanner

सौहार्द (अपनापन) स्थापित करता है। इसके बाद साक्षात्कारकर्ता साक्षात्कारी को यह बताकर कि वह अपने बारे में जो कुछ भी बताएगा, उसे गोपनीय रखा जाएगा और उसके आधार पर उसे सफलता प्राप्त करने के उपाय बताए जाएँगे, अपने विश्वास में लेता है। इसके बाद साक्षात्कारकर्ता शिक्षक साक्षात्कारी छात्र से एक-एक प्रश्न पूछता है और उनके उत्तर नोट करता है। वर्तमान में यह नोट करने का कार्य वीडियो कैमरे द्वारा भी किया जाता है। अन्त में साक्षात्कारकर्ता उत्तरों का विश्लेषणकर साक्षात्कारी छात्र की यथा विशेषता (गुण) का आँकलन करता है।

इस विधि द्वारा छात्रों के अभिव्यक्ति कौशल (Expression Skill) और उनके शारीरिक एवं मानसिक व्यवहारों का आँकलन किया जाता है। इसके अतिरिक्त तत्सम्बन्धी व्यक्तियों का साक्षात्कार कर शिक्षा नीति, शिक्षा योजना, शिक्षा के उद्देश्य, शिक्षा की पाठ्यचर्या और शिक्षण विधियों की उपयोगिता का भी आँकलन किया जा सकता है। मानकीकृत साक्षात्कार से तो छात्रों की शैक्षिक समस्याओं का भी पता लगाया जा सकता है।

परन्तु इस विधि की सबसे बड़ी कमी यह है कि एक समय में एक ही व्यक्ति का साक्षात्कार किया जा सकता है, इसमें समय बहुत अधिक लगता है। दूसरी कमी यह है कि साक्षात्कारी के साथ सौहार्द स्थापित करने और उसे अपने विश्वास में लेने के बाद भी यह दावा नहीं किया जा सकता कि साक्षात्कारी प्रश्नों के सही उत्तर ही देगा। फिर उसके उत्तरों का विश्लेषण भी साक्षात्कारकर्ता के दृष्टिकोण पर निर्भर करता है; इस दष्टि से यह व्यक्तिनिष्ठ विधि है, इसके परिणामों पर पूर्ण रूप से भरोसा नहीं किया जा सकता।

9. अनुसूची (Schedule)—अनुसूची विशेष प्रकार के प्रश्नों की सूची अर्थात् प्रश्नावली होती है जिसमें एक समय में व्यक्ति की किसी एक विशेषता (गुण) को जानने सम्बन्धी प्रश्न होते हैं। अनुसूची के लिए प्रश्न बहुत सोच-समझकर बनाए जाते हैं इसलिए इन्हें अल्पमानकीकृत प्रश्नावली कहा जाता है। अनुसूची अनेक प्रकार की होती हैं; जैसे—अवलोकन अनुसूची (Observation Schedule), साक्षात्कार अनुसूची (Interview Schedule), व्यक्ति इतिहास अनुसूची (Case Histroy Schedule), निर्धारण अनुसूची (Rating Schedule)। इन्हें क्रमशः अवलोकन, साक्षात्कार, व्यक्ति इतिहास विधि और श्रेणी निर्धारण विधियों में प्रयोग किया जाता है।

किसी अनुसूची का प्रयोग एक समय में एक ही व्यक्ति (छात्र) पर किया जाता है और उसकी केवल एक विशेषता (गुण) के मापन के लिए किया जाता है। इनका प्रयोग करने वाला व्यक्ति, उस व्यक्ति जिसकी किसी एक योग्यता (गुण) का मापन किया जाना होता है, उसे अपने सामने बैठाता है, उससे अनुसूची में दिए गए प्रश्नों को पूछता है और उसके उत्तरों को अनुसूची में अंकित करता है। इसके बाद वह इन उत्तरों का विश्लेषण कर यथा गुण का आँकलन (मापन) करता है। और फिर इसके परिणाम के आधार पर अन्यविधियों—अवलोकन, साक्षात्कार, व्यक्ति इतिहास, श्रेणी मापनी आदि से प्राप्त परिणामों को प्रमाणित करता है।

चूँकि सभी मापनकर्ता किसी व्यक्ति की किसी विशेषता का मापन करने के लिए एक ही अनुसूची का प्रयोग करते हैं इसलिए अनुसूची द्वारा सभी छात्रों के सम्बन्ध में प्राप्त सूचनाओं एवं आँकड़ों के आधार पर उनमें तुलना की जा सकती है। विभिन्न प्रकार की अनुसूचियों से विभिन्न प्रकार की सूचनाएँ एवं आँकड़े एकत्रित किए जाते हैं। इनका प्रयोग विशेषकर शैक्षिक शोधों में किया जाता है।

परन्तु किसी भी अनुसूची का प्रयोग बड़ी सावधानी से करना होता है, इसके प्रश्नों के उत्तरों का विश्लेषण कर परिणाम निकालना होता है इसलिए इनका प्रयोग सामान्य शिक्षक नहीं कर सकते।

Scanned with CamScanner